मथुरा से ही 2019 का लोकसभा चुनाव लड़ेंगी हेमामालिनी

मथुरा-अभिनय की दुनिया से राजनीति में आयीं हेमामालिनी ने मंगलवार को दावा किया कि उन्हें मथुरा से ही दोबारा चुनाव लड़ने के लिए हरी झंडी मिली है। इसके साथ ही मथुरा से भाजपा सांसद हेमामालिनी ने अपने काम के दम पर फिर से जीतने का दावा किया। हेमामालिनी ने अपने क्षेत्र के लोगों से मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण का वादा भी किया। उन्होंने मथुरा जंक्शन स्टेशन पर विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि स्टेशन के आधुनिकीकरण के लिए रेल अधिकारी बेहतरीन काम कर रहे हैं।

मथुरा से फिर से चुनाव लड़ने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन्हें इस संबंध में हरी झंडी दी है और उन्होंने इस संबंध में काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि मथुरा और लखनऊ के बीच एक ट्रेन शुरू करने के लिए वह रेल मंत्री पीयूष गोयल से अनुरोध करेंगी। इससे पहले उन्होंने एक अन्य कार्यक्रम में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए विश्वास जताया कि वह दोबारा चुनाव जीतेंगी। दोबारा चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि लड़ूंगी, जरूर लड़ूंगी। मथुरा से ही लड़ूंगी और जीतकर भी आऊंगी।

उन्होंने कहा कि मैंने अपने संसदीय क्षेत्र में पूरी शिद्दत से काम कराए हैं... आज आप परिवर्तन खुद देख सकते हैं। कई इलाकों में शहरों से भी बेहतर गुणवत्ता वाली सड़कों का निर्माण कराया गया है। हेमामालिनी ने सोमवार को जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति की समीक्षा बैठक में भाग लिया और विकास कार्यों में तेजी नहीं लाने पर नाराजगी जतायी। सांसद ने अपने गोद लिए गए गावों- रावल (बलदेव विकास खण्ड), पैंठा (गोवर्धन विकास खण्ड) व मानागढ़ी (नौहझील विकास खण्ड) में कराए जा रहे विकास कार्यों की भी समीक्षा की और उनमें तेजी लाने को कहा।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शामिल, बोले- भाजपा के खिलाफ लड़ूंगा चुनाव

अहमदाबाद-गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला मंगलवार को शरद पवार की मौजूदगी में उनकी पार्टी राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में शामिल हो गए। उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। पवार ने कहा कि राकांपा गुजरात में और राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की प्रगति के लिए वाघेला के राजनीतिक अनुभवों का इस्तेमाल करेगी। पवार की पार्टी में शामिल होने के बाद वाघेला ने कहा, 'ऐसे वक्त जब भाजपा के शासन में देश में लोकतंत्र को खतरा है, मैंने भाजपा के खिलाफ लड़ने और भाजपा विरोधी ताकतों का हाथ मजबूत करने के लिए राकांपा में शामिल होने का फैसला किया है।'

यह पूछने पर कि क्या वह आगामी लोकसभा चुनाव लड़ेंगे, तो वाघेला ने कहा कि इसका फैसला पार्टी को करना है। इस अवसर पर पवार ने कहा कि मैंने वाघेला को गुजरात के साथ ही राष्ट्र स्तर पर राकांपा की प्रगति के लिए अपना योगदान देने को कहा है। वह पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव होंगे। गुजरात में हम भाजपा विरोधी ताकतों को मजबूत करना चाहते हैं और वाघेला को लाकर हमने ऐसी कोशिश की है। राजनीतिक प्रेक्षकों का कहना है कि राकांपा में उनके शामिल होने से गुजरात में लोकसभा की कुछ सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय हो सकता है।

गुजरात में लोकसभा की सभी 26 सीटों पर फिलहाल भाजपा का कब्जा है। 78 वर्षीय क्षत्रिय नेता ने 2017 में गुजरात विधानसभा चुनाव के पहले कांग्रेस छोड़ दी थी। इससे पहले उन्होंने और उनके समर्थक कुछ विधायकों ने राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार अहमद पटेल के खिलाफ वोट दिया था और भाजपा समर्थित उम्मीदवार बलवंत सिंह राजपूत का समर्थन किया था। हालांकि, वाघेला सत्तारूढ भाजपा में शामिल नहीं हुए और दिसंबर 2017 के राज्य विधानसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवारों को उतारा था लेकिन उनके सारे उम्मीदवार हार गए। हाल में उन्होंने दिल्ली सहित कई स्थानों का दौरा किया और कहा कि वह केंद्र में भाजपा नीत सरकार को हराने के लिए काम करेंगे। वाघेला 1996 में कांग्रेस के समर्थन से राज्य के मुख्यमंत्री बने थे।

राहुल राजनीति में पूरी तरह से फ्लॉप, प्रियंका भी कांग्रेस को नहीं बचा पाएंगी-राणा

हापुड़-प्रदेश के गन्ना मंत्री सुरेश राणा ने मंगलवार को यहां कहा कि प्रियंका गांधी के आने के बाद भी कांग्रेस नहीं बच पाएंगी। कांग्रेस के अध्यक्ष राहुल गांधी राजनीति में पूरी तरह फ्लॉप हैं। उन्होंने दावा किया कि 2019 में फिर से मोदी सरकार बनेगी। सुरेश राणा यहां सरस्वती शिशु मंदिर में भाजपा प्रबुद्ध जन सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों की जमकर तारीफ की और विरोधियों को जमकर खरी खोटी सुनाई। उन्होंने विपक्ष को देश के विरुद्ध काम करने वाला बताया।

उन्होंने कहा कि सभी विपक्षी दल चाहे कितने भी एक हो जाए, परंतु इनमें आपसी लड़ाई जारी है। योगी सरकार ने प्रत्येक वर्ग के लिए काम किया है। आजादी के बाद पहली बार सबसे अधिक गन्ना भुगतान भी योगी सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि विदेशों में भारत का सम्मान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने बढ़ाया है।

वेनेजुएला के स्वघोषित कार्यवाहक राष्ट्रपति ने विदेशी संपत्ति पर किया नियंत्रण

काराकस-वेनेजुएला के स्वघोषित कार्यवाहक राष्ट्रपति जुआन गुइडो ने सोमवार को कहा कि वह देश की विदेशी संपत्ति पर नियंत्रण कर रहे हैं। गुइडो के इस कदम को निकोलस मादुरो पर दबाव बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। वेनेजुएला में सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के बीच खुद को देश का शासक घोषित करने वाले विपक्ष के नेता गुइडो ने कहा कि मादुरो का शासन गैरकानूनी है तथा वह नये चुनावों से पहले अंतरिम सरकार बनाना चाहते हैं। सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि वह अपने देश की विदेशी संपत्ति पर व्यवस्थित ढंग से नियंत्रण करने की शुरूआत कर रहे हैं।

गुइडो ने शनिवार को होने वाली %राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रैली% से पहले लोगों के लिये सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग करते हुए बुधवार को दो घंटे की हड़ताल का आह्वान किया है। कई यूरोपीय देशों ने मादुरो को नए चुनाव कराने के लिये समयसीमा दे रखी है। वेनेजुएला में बीते हफ्ते शुरू हुए प्रदर्शनों में अब तक 35 लोगों की जान जा चुकी है।

राहुल की न्यूनतम आमदनी गारंटी की घोषणा ऐतिहासिक-अशोक गहलोत

जयपुर-राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि देश के गरीबों को न्यूनतम आमदनी की गारंटी देने की राहुल गांधी की घोषणा को मैं ऐतिहासिक घोषणा मानता हूं और मैंने इस योजना को लागू करने के बारे में तैयारी शुरू कर दी है। गहलोत ने मंगलवार को यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि यह ऐतिहासिक घोषणा है और मैंने तो आज से तैयारी शुरू कर दी है कि यह घोषणा किस प्रकार लागू हो सकती है और किस प्रकार लागू होनी चाहिए। क्या मॉडल बनना चाहिए यह मेरी सोच का अंग रहेगा क्योंकि यह एक मुल्क और नागरिकों के लिय जरूरी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दौरान जो जो वादे उन्होंने किये वो सब हम निभा रहे है। चाहे कर्ज माफी हो, बेरोजगार लोगों को भत्ता देने का हो यह घोषणा तो अपने आप में एक इतिहास बन चुकी है और मैं समझता हूं कि सरकार बनेगी तो पूरा करके ही रहेंगी।

उन्होंने कहा कि दुनिया के मुल्कों में भी सामाजिक सुरक्षा होती है कम से कम हमारा मुल्क भी आज 70 साल के बाद इस स्थिति में आ गया है कि आज हम लोग भी सक्षम है अगर सरकारों की इच्छा शक्ति हो तो मैं समझता हूं कि यह सब बातें संभव हैं। उल्लेखनीय है कि सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने रायपुर में घोषणा की थी कि लोकसभा चुनाव जीतने पर कांग्रेस देश के गरीबों को न्यूनतम आमदनी की गारंटी देगी।

CVC के खिलाफ शिकायत पर मोदी सरकार ने कार्रवाई क्यों नहीं की- कांग्रेस

नई दिल्ली-कांग्रेस ने केंद्रीय सतर्कता आयुक्त (सीवीसी) केवी चौधरी के खिलाफ भारतीय वन सेवा के अधिकारी संजीव चतुर्वेदी की शिकायत का हवाला देते हुए मंगलवार को नरेंद्र मोदी सरकार से सवाल किया कि शिकायत पर पौने दो साल तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? पार्टी प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने यह भी आरोप लगाया कि इस मामले में सरकार ने दिशानिर्देश तय नहीं होने का 'बहाना' बनाया, जबकि दिशानिर्देश उसे खुद तय करने थे जो उसके कई महीनों तक नहीं किए गए।

सिंघवी ने संवाददाताओं से कहा कि मोदी सरकार संस्थाओं पर लगातार हमले कर रही है। जब फंसती है तो बहाने बनाने लगती है। अब उसके ये बहाने नहीं चलेंगे। उन्होंने कहा कि आईएफएस अधिकारी संजीव चतुर्वेदी ने 2017 में राष्ट्रपति को लिखी याचिका में दावा किया था कि सीवीसी ने 7000 करोड़ रुपये के इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कार्य से संबंधित भ्रष्टाचार के मामलों को बंद कर दिया। उन्होंने एक हजार पृष्ठों वाले दस्तावेज भी अपने दावे के समर्थन में सौंपे थे।

सिंघवी ने कहा कि चतुर्वेदी ने सीवीसी चौधरी के खिलाफ 15 जुलाई, 2017 को सरकार से शिकायत की थी और अगस्त, 2017 में रिमाइंडर भी भेजा था। 14 जनवरी, 2019 को उन्होंने इसी को लेकर पत्र लिखा।

उन्होंने कहा कि पौने दो साल बीत गए तो सरकार एक बहाने के साथ आई कि सीवीसी के खिलाफ कार्रवाई को लेकर कोई दिशानिर्देश तय नहीं है। सवाल यह है कि दिशानिर्देश कौन तय करेगा? क्या यह किसी की मदद करने का प्रयास नहीं है? सरकार इस पर जवाब दे। सिंघवी ने सीबीआई के पूर्व निदेशक आलोक वर्मा से जुड़े प्रकरण का हवाला देते हुए कहा कि क्या ऐसा नहीं है कि एक तरफ एक व्यक्ति आपकी (सरकार) मदद करता है और दूसरी तरफ आप उसकी (सीवीसी) मदद करते हैं।

राममंदिर पर राज बब्बर ने उठाए सवाल, पूछा- अयोध्या में नहीं बनेगा मंदिर तो कहां बनेगा

आगरा-लोकसभा चुनाव 2019 से पहले उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राजबब्बर ने मंगलवार को अपने आगरा दौरे के दौरान राम मंदिर मुद्दे को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि भगवान श्रीराम का मंदिर अयोध्या में नहीं बनेगा, तो कहां बनेगा। भाजपा इसका जवाब दे। बब्बर ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और हम उत्तर प्रदेश में प्यार से लोगों के दिलों को जीतकर चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे।

पत्रकारवार्ता में उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में मंदिर निर्माण का मुकदमा नहीं, बल्कि 2.77 एकड़ जमीन के मालिकाना हक का प्रकरण चल रहा है। इस मुकदमे में तीन पक्ष हैं और उनकी लड़ाई राम मंदिर के लिए नहीं है। इन तीनों की लड़ाई जमीन के मालिकाना हक के लिए है। तीनों पक्ष जमीन पर अपना-अपना हक होने का दावा कर रहे हैं।

बब्बर ने कहा कि भाजपा अदालत के अंदर जमीन के मालिकाना हक की लड़ाई लड़ती है और बाहर आकर कहती है कि हम राम मंदिर वहीं बनाने की बात करते है। राम मंदिर पर कोई विवाद नहीं है। अध्यक्ष राजबब्बर ने फतेहपुरसीकरी से चुनाव लड़ने पर कहा ये तो उनका घर है। वे फतेहपुरसीकरी से चुनाव लड़ना चाहते हैं, क्योंकि आगरा सीट रिजर्व हो चुकी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक-रवि कुमार पोत्दार, ७२/७४, सुयश विहार, भमोरी दुबे, इन्दौर से प्रकाशित एवं आर्टटेक ग्राफिस, ८६४/९, नेहरु नगर, इन्दौर म०प्र० से मुद्रीत
प्रधान संपादक-रवि कुमार पोत्दार आर.एन.आई. नम्बर-१२७८२/२००३ e-mail- censortimes@ hotmail.com Mob No-9926631707